विषय:

बाल विवाह

जिन बच्चो की शिक्षा रह गई अधूरी,
उनके नन्हे कंधो पर जिम्मेदारी आ गई पूरी।

न कोई जान, न कोई पहचान,
फिर भी चल पड़ी वह बच्ची उस लड़के के घर जिस्से थी वह अंजान।

कराने लगे माँ-बाप उसकी शादी
पर नही समझे कि उसकी उम्र थी आधी।

दो बच्चे जो थे न लिखे न पढ़े,
पर शादी उनकी ऐसे कराई जैसे हो गए थे वह बड़े।

जिन बच्चो के कंधो पर शादी नाम का [redacted] बोझ डाल दिया,
खेलने की उम्र में दोनो को जिंदगी भर के बंधन मे बांध दिया।

Composed by
- RADHISHA
RASTOGI
VII-D